हिन्ति अस्यन्यः । निष्यपविश्वय न्ययवध्यय विमिन्दिः उस्पिष्टं पुक्रमानिष्टः ठवायज्य वि त्रश भिग्ध भिमारय भी जन भिक्य प्रधार राध क बाक्षालाश्वर्य अलेका में बर्फेल स्रात वज्रें एम् पिपाय वन्तियं विषणि धरेय मक्समें राज्धकन उन्धं ७० इन ज्य ४० इस करि महि पर्णान । ५ माय भद्रभमा च्याकि अह निर्ध धर् निर्मिषक क कारा हिंदी है है जि मार कर महार के समस्के मेर इस् इपः॥ है॥ चुन्द्री अपर्ने क्रम ४१ भे रहे के विकवा विक्रभन्निक्षण्ड अहउ समस्ययिम् विगम्भमी मिया महम्कवान वह दिवत ता भागित प्रमान एमिन्सिक्स नुस्मारी गोमा श्रक्यन एउ भहला वाध्ये हेन्स निर्मित क्रिया क् क्म किंग्सन्दिनियाउ भविवें भाग द्वार पदि विद्या दिवा । त्का भाग कि वल विपरिक्ष माना भाग प्राथित हा अपद्यम मिति हिस्टिडिलान्न या प्राप्ता सनन प्राप्ता छाडेह व नरहारिक करोधा भय र भयक र व रहम के विक CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

Collection of 81 Year Old Dina Nath Raina, Jammu. Retired Priest.

मध्यभाना सम्भाना मुक्तमा निमान कलम् । ग्रह्में। प्रमानिक कलम् । ग्रह्में। प्रमानिक कि

an expended of the late of the late of the late of